



॥ श्री बाला त्रिपुरसुन्दरी सहस्रनाम स्तोत्रम् - विष्णु यामळम् ॥

Sri Bala Tripura Sundari Sahasranama Stotram – Vishnu Yamalam

श्री देव्युवाच -

भगवन् भाषिता ५ शेष सिद्धान्त करुणानिधे ।
देव्यास् त्रिपुर सुन्दर्याः मन्त्र नाम सहस्रकम् ॥ १ ॥

श्रुत्वा धारयितुं देव ममेच्छा वर्तते ५ धुना ।
कृपया केवलं नाथ तन् ममाख्यातुमहसि ॥ २ ॥

ईश्वर उवाच -

मन्त्र नाम सहस्रं मे कथयामि वरानने ।
गोपनीयं प्रयत्नेन श्रृणु तत्वं महेश्वरी ॥ ३ ॥

॥ विनियोगः ॥

ॐ अस्य श्री बाला त्रिपुर सुन्दरी दिव्य सहस्रनाम स्तोत्र महामन्त्रस्य । ईश्वर
ऋषिः । अनुष्टुप् छन्दः । श्री बाला त्रिपुर सुन्दरी देवता । ऐं बीजं । सौः शक्तिः ।
कलीं कीलकम् । मम श्री बाला त्रिपुर सुन्दरी प्रसाद सिद्ध्यर्थे जपे विनियोगः ॥

॥ ध्यानम् ॥

ऐकारासन गर्भितानल शिखां सौः कलीं कलां बिन्नतीम् ।
सौवर्णाम्बर धारिणीं वर सुधा धौतान्तरङ्गोज्जवलाम् ।
वन्दे पुस्तक पाशसाङ्कुश जप स्नग् भासुरोद्यत् कराम् ।
तां बालां त्रिपुरां भजे त्रिनयनां षट्चक्र सञ्चारिणीम् ॥

॥ श्री बाला त्रिपुर सुन्दरी सहस्रनाम स्तोत्रम् ॥

ॐ सुभगा सुन्दरी सौम्या सुषुम्ना सुख दायिनी ।
मनोज्ञा सुमनो रम्या शोभना ललिता शिवा ॥ ५ ॥
कान्ता कान्तिमती कान्तिः कामदा कमलालया ।
कल्याणी कमला हृद्या पेशाला हृदयङ्गमा ॥ ६ ॥
सुभद्रा ५ ख्याति रमणी सर्वा साध्वी सुमङ्गला ।
रामा भव्यवती भव्या कमनीयाति कोमला ॥ ७ ॥

॥ श्री बाला त्रिपुरसुन्दरी सहस्रनाम स्तोत्रम् - विष्णु यामळम् ॥

शोभा ५ भिरामा रमणी रमणीया रतिप्रिया ।
मनोन्मणी महामाया मातड़गी मदिराप्रिया ॥ ८ ॥

महालक्ष्मीर महशक्तिर महाविद्या स्वरूपिणी ।
महेश्वरी महानन्दा महानन्द विधायिनी ॥ ९ ॥

मानिनी माधवी माधवी मदरूपा मदोत्कटा ।
आनन्द कन्दा विजया विश्वेशी विश्वरूपिणी ॥ १० ॥

सुप्रभा कौमुदी कान्ता बिन्दु नाद स्वरूपिणी ।
कामेश्वरी कामकला कामिनी काम वर्धिनी ॥ ११ ॥

भेरुण्डा चण्डिका चण्डी चामुण्डी मुण्ड मालिनी ।
अणुरूपा महारूपा भूतेशी भुवनेश्वरी ॥ १२ ॥

चित्रा विचित्रा चित्राड़गी हेम गर्भ स्वरूपिणी ।
चैतन्य रूपिणी नित्या नित्या ५ नित्य स्वरूपिणी ॥ १३ ॥

हींकारी कुण्डली धात्री विधात्री भूत सम्प्लुवा ।
उन्मादिनी महमाली सुप्रसन्ना सुरार्चिता ॥ १४ ॥

परमानन्द निष्यन्दा परमार्थ स्वरूपिणी ।
योगीश्वरी योगमाता हंसिनी कलहंसिनी ॥ १५ ॥

कला कलावती रक्ता सुषुम्ना वर्त्म शालिनी ।
विन्ध्यादि निलया सूक्ष्मा हेम पद्म निवासिनी ॥ १६ ॥

बाला सुरूपिणी माया वरेण्या वर दायिनी ।
विद्रुमाभा विशालाक्षी विशिष्टा विश्व नायिका ॥ १७ ॥

वीरेन्द्र वन्द्या विश्वात्मा विश्वा विश्व विवर्धनी ।
विश्वोत्पत्तिर विश्वमाया विश्वाराध्या विकस्वरा ॥ १८ ॥

मदस्वन्ना मदोद्भिन्ना मानिनी मानवर्धनी ।
मालिनी मोदिनी मान्या मदहस्ता मदालया ॥ १९ ॥

मद निष्यन्दिनी माता मदिराक्षी मदालसा ।
मदात्मिका मदावासा मधु बिन्दु कृताधरा ॥ २० ॥

मूलभूता महामूला मूलाधार स्वरूपिणी ।
सिन्दूर रक्ता रक्ताक्षी त्रिनेत्रा त्रिगुणात्मिका ॥ २१ ॥

वशिनी वासिनी वाणी वारुणी वारुणी प्रिया ।
अरुणा तरुणाकार्भा भामिनी वहनि वासिनी ॥ २२ ॥

सिद्धा सिद्धेश्वरी सिद्धिस् सिद्धाम्बा सिद्ध मातृका ।
सिद्धार्थ दायिनी विद्या सिद्धाद्या सिद्ध सम्मता ॥ २३ ॥

वाग्भवा वाकप्रदा वन्द्या वाङ्मयी वादिनी परा ।
त्वरिता सत्वरा तुर्या त्वरयित्री त्वरात्मिका ॥ २४ ॥

कमला कमलावासा सकला सर्व मङ्गला ।
भगोदरी भग किलन्ना भगिनी भग मालिनी ॥ २५ ॥

भग प्रदा भगानन्दा भगेशी भग नायिका ।
भगात्मिका भगावासा भगा भग निपातिनी ॥ २६ ॥

भगावहा भगाराध्या भगाद्या भग वाहिनी ।
भग निष्यन्दिनी भर्गा भगाभा भग गर्भिणी ॥ २७ ॥

भगादिर् भग भोगादिः भगवेद्या भगोद्भवा ।
भगमाता भगाभोगा ९ भगवेद्या ९ भगोद्भवा ॥ २८ ॥

भगमाता भगाकारा भगगुह्या भगेश्वरी ।
भगदेहा ९ भगावासा भगोद्भेदा भगालसा ॥ २९ ॥

भगविद्या भगकिलन्ना भगलिङ्गा भगद्रवा ।
सकला निष्कला काली कराली कल भाषिणी ॥ ३० ॥

कमला हंसिनी काला करुणा करुणावती ।
भास्वरा भैरवी भासा भद्रकाळी कुलाङ्गना ॥ ३१ ॥

रसात्मिका रसावासा रसस्यन्दा रसावहा ।
काम निष्यन्दिनी काम्या कामिनी काम दायिनी ॥ ३२ ॥

विद्या विधात्री विविधा विश्व धात्री विधाविधा ।
सर्वाङ्ग सुन्दरी सौम्या लावण्य सरिदम्बुधिः ॥ ३३ ॥

चतुराङ्गी चतुर्बाहुश् चतुरा चारुहासिनी ।
मन्त्रा मन्त्रमयी माता मणीपूर समाश्रया ॥ ३४ ॥

मन्त्रात्मिका मन्त्रमाता मन्त्रगम्या सुमन्त्रिका ।
पुष्पबाणा पुष्पजैत्री पुष्पिणी पुष्प वर्धनी ॥ ३५ ॥

॥ श्री बाला त्रिपुरसुन्दरी सहस्रनाम स्तोत्रम् - विष्णु यामळम् ॥

वज्रेश्वरी वज्रहस्ता पुराणी पुरवापिनी ।
तारा सुतरुणी तारा तरुणी तार रूपिणी ॥ ३६ ॥

इक्षुचापा महापाशा शुभदा प्रिय वादिनी ।
सर्वदा सर्व जननी सर्वार्था सर्व पावनी ॥ ३७ ॥

आत्मविद्या महाविद्या ब्रह्मविद्या विवस्वती ।
शिवेश्वरी शिवाराध्या शिवनादा शिवात्मिका ॥ ३८ ॥

आत्मिका ज्ञान निलया निर्भेदा निर्वृति प्रदा ।
निर्वाण रूपिणी नित्या नियमा निष्कला प्रभा ॥ ३९ ॥

श्रीफला श्रीप्रदा शिष्या श्रीमयी शिव रूपिणी ।
कूरा कुण्डलिनी कुञ्जा कुटिला कुटिलालसा ॥ ४० ॥

महोदया महारूपा महामायी कलामयी ।
वशंकरी सर्व जननी चित्रवासा विचित्रका ॥ ४१ ॥

सूर्य मण्डल मध्यस्था स्थिरा शड्कर वल्लभा ।
सुरभिस् सुमनास् सूर्या सुषुम्ना सौम भूषणा ॥ ४२ ॥

सुधा प्रदा सुधाधारा सुश्रीस् सम्पत्ति रूपिणी ।
अमृता सत्य सड्कल्पा सत्या षड् ग्रन्थि भेदिनी ॥ ४३ ॥

इच्छा शक्तिर् महाशक्तिः क्रियाशक्तिः प्रियड्करी ।
लीला लीलालया नन्दा सूक्ष्म बोध स्वरूपिणी ॥ ४४ ॥

सकला रसना सारा सार गम्या सरस्वती ।
परा परायणी पद्मा परनिष्ठा परापरा ॥ ४५ ॥

श्रीमती श्रीकरी व्योम्नी शिव योनिश् शिवेक्षणा ।
निरानन्दा निराख्येया निर्द्वन्द्वा निर्गुणात्मिका ॥ ४६ ॥

बृहती ब्राह्मणी ब्राह्मी ब्रह्माणी ब्रह्म रूपिणी ।
धृतिस् स्मृतिश् श्रुतिर् मेधा श्रद्धा पुष्टिस् स्तुतिर् मतिः ॥ ४७ ॥

अद्वयानन्द सम्बोधा वरा सौभाग्य रूपिणी ।
निरामया निराकारा जृभिणी स्तंभिनी रतिः ॥ ४८ ॥

बोधिका कमला रौद्री द्राविणी क्षोभिणी मतिः ।
कुचेली कुच मध्यस्था मध्य कूट गति प्रिया ॥ ४९ ॥

कुलोत्तीर्ण कुलवती बोधा वाग्वादिनी सती ।
उमा प्रियव्रता लक्ष्मीर् वकुला कुल रूपिणी ॥ ५० ॥

विश्वात्मिका विश्वयोनिः विश्वासक्ता विनायिका ।
ध्यायिनी नादिनी तीर्था शाङ्करी मन्त्र साक्षिणी ॥ ५१ ॥

सन्मन्त्र रूपिणी हृष्टा शाङ्करी सुरशाङ्करी ।
सुन्दराङ्गी सुरावासा सुरवन्दा सुरेश्वरी ॥ ५२ ॥

सुवर्ण वर्णा सत्कीर्तिस् सुवर्णा वर्ण रूपिणी ।
ललिताङ्गी वरिष्ठा श्रीर स्पन्धा स्फन्द रूपिणी ॥ ५३ ॥

शाम्भवी सच्चिदानन्दा सच्चिदानन्द रूपिणी ।
जयिनी विश्व जननी विश्व निष्ठा विलासिनी ॥ ५४ ॥

भ्रू मध्या ॐ खिल निष्पाद्या निर्गुणा गुण वर्धनी ।
हृलेखा भुवनेशानी भुवना भुवनात्मिका ॥ ५५ ॥

हृत् पद्म निलया शूरा स्वरा वृत्तिस् स्वरात्मिका ।
सूक्ष्म रूपा परानन्दा स्वात्मस्था विश्वदा शिवा ॥ ५६ ॥

परिपूर्णा दयापूर्णा मद् घूर्णित लोचना ।
शरण्या तरुणाकर्भा मधु रक्ता मनस्त्वनी ॥ ५७ ॥

आनन्ता ॐ नन्त महिमा नित्य तृप्ता निरञ्जनी ।
अचिन्त्या शक्ति चिन्तार्था चिन्त्या ॐ चिन्त्य स्वरूपिणी ॥ ५८ ॥

जगन्मयी जगन्माता जगत्सारा जगद्भवा ।
आप्यायिनी परानन्दा कूटस्था वास रूपिणी ॥ ५९ ॥

ज्ञानगम्या ज्ञानमुर्तिः ज्ञापिनी ज्ञान रूपिणी ।
खेचरी खेचरी मुद्रा खेचरी योग रूपिणी ॥ ६० ॥

अनाथ नाथा निर्नाथा घोरा घोर स्वरूपिणी ।
सुधाप्रदा सुधाधारा सुधारूपा सुधामयी ॥ ६१ ॥

दहरा दहरा काळी दहराकाश मध्यगा ।
माङ्गल्या मङ्गलकरी महा माङ्गल्य देवता ॥ ६२ ॥

माङ्गल्य दायिनी मान्या सर्व मङ्गल दायिनी ।
स्वप्रकाशा महाभासा भासिनी भव रूपिणी ॥ ६३ ॥

कात्यायिनी कळावासा पूर्णकामा यशस्विनी ।
अर्थावसान निलया नारायण मनोहरा ॥ ६४ ॥

मोक्ष मार्ग विधानज्ञा विरिज्ञोत्पत्ति भूमिका ।
अनुत्तरा महाराध्या दुष्प्रापा दुरित क्रमा ॥ ६५ ॥

शुद्धिदा कामदा सौम्या ज्ञानदा मान दायिनी ।
स्वधा स्वाहा सुधा मेधा मधुरा मधुमन्दिरा ॥ ६६ ॥

निर्वाण दायिनी श्रेष्ठा शर्मिष्ठा शारदाचर्चिता ।
सुवर्चला सुराराध्या शुद्ध सत्त्वा सुराचर्चिता ॥ ६७ ॥

स्तुतिस् स्तुतिमयी स्तुत्या स्तुति रूपा स्तुति प्रिया ।
कामेश्वरी कामवती कामिनी काम रूपिणी ॥ ६८ ॥

आकार गर्भा हींकारी कंकाळी काल रूपिणी ।
विष्णु पत्नी विशुद्धार्था विश्व रूपेश वन्दिता ॥ ६९ ॥

विश्व वेद्या महावीरा विश्वधनी विश्व रूपिणी ।
कुशलाद्या शीलवती शैलस्था शैल रूपिणी ॥ ७० ॥

रुद्राणी चण्डी खट्वाङ्गी डाकिनी साकिनी प्रभा ।
नित्या निर्वेद खट्वाङ्गी जननी जन रूपिणी ॥ ७१ ॥

तलोदरी जगत् सूत्री जगती ज्वलिनी ज्वली ।
साकिनी सार संहृद्या सर्वोत्तीर्णा सदाशिवा ॥ ७२ ॥

स्फुरन्ती स्फुरिताकारा स्फूर्तिस् स्फुरण रूपिणी ।
शिवदूती शिवा शिष्टा शिवज्ञा शिव रूपिणी ॥ ७३ ॥

रागिणी रञ्जनी रम्या रजनी रजनीकरा ।
विश्वम्भरा विनीतेष्ठा विधात्री विधि वल्लभा ॥ ७४ ॥

विद्योतिनी विचित्रार्था चित्राद्या विविधा ५ भिधा ।
विश्वाक्षरा सरसिका विश्वस्था ५ तिविचक्षणा ॥ ७५ ॥

ब्रह्मयोनिर् महायोनिः कर्मयोनिस् त्रयी तनुः ।
हाकिनी हारिणी सौम्या रोहिणी रोग नाशिनी ॥ ७६ ॥

श्रीप्रदा श्रीर् श्रीधरा च श्रीकरा श्रीमती प्रिया ।
श्रीमती श्रीकरी श्रेयान् श्रेयमी च सुरेश्वरी ॥ ७७ ॥

कामेश्वरी कामवती कामगिर्यालय स्थिता ।
रुद्रात्मिका रुद्रमाता रुद्रगम्या रजस्वला ॥ ७८ ॥

अकार घोडशान्तस्था भैरवी हृलादिनी परा ।
कृपा देहारुणा नाथा सुधा बिन्दु समन्विता ॥ ७९ ॥

काळी कामकला कन्या पार्वती पर रूपिणी ।
मायावती घोरमुखी नादिनी दीपिनी शिवा ॥ ८० ॥

मकारामृत चक्रेशी महासेना विमोहिनी ।
उत्सुका ३ नुत्सुका हृष्टा ह्रीङ्कारी चक्र नायिका ॥ ८१ ॥

रुद्रा भवानी चामुण्डी ह्रीङ्कारी सौख्य दायिनी ।
गरुडा गरुणी कृष्णा सकला ब्रह्म चारिणी ॥ ८२ ॥

कृष्णाङ्गा वाहिनी कृष्णा खेचरी कमल प्रिया ।
भद्रिणी रुद्र चामुण्डा ह्रींकारी सौभगा ध्रुवा ॥ ८३ ॥

गोरुडी गारुडी ज्येष्ठा स्वर्गगा ब्रह्म चारिणी ।
पानानुरक्ता पानस्था भीम रूपा भयापहा ॥ ८४ ॥

रक्ता चण्डा सुरानन्दा त्रिकोणा पान दर्पिता ।
महोत्सुका क्रतु प्रीता कड़काळी कल दर्पिता ॥ ८५ ॥

सर्व वर्णा सुवर्णाभा परामृत महार्णवा ।
योग्यार्णवा नाग बुद्धि वीरपाना नवात्मिका ॥ ८६ ॥

द्वादशान्त परोजस्था निर्वाण सुख दायिनी ।
आदि सत्त्वा ध्यान सत्त्वा श्रीकण्ठ स्वान्त मोहिनी ॥ ८७ ॥

परा घोरा कराळाक्षी स्वमूर्तिर् मेरु नायिका ।
आकाश लिङ्ग संभूता परामृत रसात्मिका ॥ ८८ ॥

शाङ्करी शाश्वती रुद्रा कपाल कुल दीपीका ।
विद्या तनुर् मन्त्र तनुश् चण्डी मुण्डा सुदर्पिता ॥ ८९ ॥

वागीश्वरी योग मुद्रा त्रिखण्डी सिद्ध दण्डिता ।
श्रृङ्गार पीठ निलया काळी मातङ्ग कन्यका ॥ ९० ॥

संवर्त मण्डलान्तस्था भुवनोद्यान वासिनी ।
पादुका क्रम संतृप्ता भैरवस्था पराजिता ॥ ९१ ॥

निर्वाण सौरभा दुर्गा महिषासुर मर्दिनी ।
भ्रमराम्बा शिखरिका ब्रह्म विष्णवीश तर्पिता ॥ ९२ ॥

उन्मत्त हेला रसिका योगिनी योग दर्पिता ।
सन्ताना नन्दिनी बीज चक्रा परम कारुणी ॥ ९३ ॥

खेचरी नायिका योग्या परिवृत्ता ५ तिमोहिनी ।
शाकम्भरी संभवित्री स्कन्द नन्दी मदर्पिता ॥ ९४ ॥

क्षेमङ्गकरी समाश्वासा स्वर्गदा बिन्दु कारिणी ।
चर्मिता चर्चित पदा चारु खट्वाङ्ग धारिणी ॥ ९५ ॥

असुरा मन्त्रित पदा भामिनी भव रूपिणी ।
उषा सङ्कर्षिणी धात्री चोमा कात्यायनी शिवा ॥ ९६ ॥

सुलभा दुर्लभा शास्त्री महाशास्त्री शिखण्डिनी ।
योगलक्ष्मीर भोगलक्ष्मीः राज्यलक्ष्मीः कपलिनी ॥ ९७ ॥

देवयोनिर भगवती धन्विनी नादिनीश्वरी ।
मन्त्रात्मिका महाधात्री बलिनी केतु रूपिणी ॥ ९८ ॥

सदानन्दा सदाभद्रा फल्गुनी रक्त वर्षिणी ।
मन्दार मन्दिरा तीव्रा ग्राहिका सर्व भक्षिणी ॥ ९९ ॥

अग्नि जिह्वा महाजिह्वा शूलिनी शुद्धिदा परा ।
सुवर्णिका कालदूती देवी काल स्वरूपिणी ॥ १०० ॥

शङ्खिनी नयनी गुर्वी वाराही हुंफटात्मिका ।
उग्रात्मिका पद्मवती धूर्जटी चक्र धारिणी ॥ १०१ ॥

देवी तत्पुरुषा शिक्षा माध्वी स्त्री रूप धारिणी ।
दक्षा दाक्षायणी दीक्षा मदना मदनातुरा ॥ १०२ ॥

धिष्ण्या हिरण्या सरणीः धरित्री धर रूपिणी ।
वसुधा वसुधाचू छाया वसुधामा सुधामयी ॥ १०३ ॥

श्रृङ्गिणी भीषणी सान्द्री प्रेत स्थाना मतङ्गिनि ।
खण्डिनी योगिनी तुष्टिः नादिनी भेदिनी नटी ॥ १०४ ॥

खट्वाङ्गिनी कालरात्रिः मेरवमाला धरात्मिका ।
भा पीठस्था भवद् रूपा महाश्रीर धूम्र लोचना ॥ १०५ ॥

॥ श्री बाला त्रिपुरसुन्दरी सहस्रनाम स्तोत्रम् - विष्णु यामळम् ॥

सावित्री सत्कृती कर्त्री चोमा माया महोदया ।
गन्धर्वी सुगुणाकारा सद्गुणा गुण पूजिता ॥ १०६ ॥

निर्मला गिरिजा शब्दा शर्वाणी शर्म दायिनी ।
एकाकिनी सिन्धु कन्या काव्य सूत्र स्वरूपिणी ॥ १०७ ॥

अव्यक्त रूपिणी व्यक्ता योगिनी पीठ रूपिणी ।
निर्मदा धामदा दित्या नित्या सेव्या ९ क्षरात्मिका ॥ १०८ ॥

तपिनी तपिनी दीक्षा शोधिनी शव दायिनी ।
स्वस्ति स्वस्तिमती बाला कपिला विस्फुलिङ्गिनी ॥ १०९ ॥

अर्चिष्मती द्युतिमती कालिनी कव्य वाहिनी ।
जनाश्रिता विष्णु विद्या मानसी विन्ध्य वासिनी ॥ ११० ॥

विद्याधरी लोक धात्री सर्वा सार स्वरूपिणी ।
पापघ्नी सर्वतोभद्रा त्रिस्था शक्ति त्रयात्मिका ॥ १११ ॥

त्रिकोण निलया त्रिस्था त्रयीमाता त्रयीपतिः ।
त्रयीविद्या त्रयीसारा त्रयीरूपा त्रिपुष्करा ॥ ११२ ॥

त्रिवर्णा त्रिपुरा त्रिश्रीः त्रिमुर्तिस् त्रिदशेश्वरी ।
त्रिकोण संस्था त्रिविधा त्रिस्वरा त्रिपुराम्बिका ॥ ११३ ॥

त्रिविधा त्रिदिवेशानी त्रिस्था त्रिपुर दाहिनी ।
जड़धिनी स्फोटिनी स्फूर्तिः स्तंभिनी शोषिणी प्लुना ॥ ११४ ॥

ऐकाराख्या वासुदेवी खण्डिनी चण्ड दण्डिनी ।
कलींकारी वत्सला हृष्टा सौः कारी मदहंसिका ॥ ११५ ॥

वज्रिणी द्राविणी जैत्री श्रीमती गोमती ध्रुवा ।
परतेजोमयी संवित् पूर्ण पीठ निवासिनी ॥ ११६ ॥

त्रिधात्मा त्रिदशाख्यक्षा त्रिघ्नी त्रिपुर मालिनी ।
त्रिपुरा श्रीस् त्रिजननी त्रिभूस् त्रैलोक्य सुन्दरी ॥ ११७ ॥

कुमारी कुण्डली धात्री बाला भक्तेष्ट दायिनी ।

॥ फल श्रुतिः ॥

इति श्रीत्रिपुर सुन्दर्याः मन्त्र नाम सहस्रकम् ॥ ११८ ॥

कथितं देव देवेशी सर्व मङ्गल दायकम् ।

सर्व रक्षा करं देवी सर्व सौभाग्य दायकम् ॥ ११९ ॥

सर्वाश्रय करं देवी सर्वानन्द करं वरम् ।

सर्व पाप क्षय करं सदा विजय वर्धनम् ॥ १२० ॥

सर्वदा श्री करं देवी सर्व योगीश्वरी मयम् ।

सर्व पीठ मयं देवी सर्वानन्द करं परम् ॥ १२१ ॥

सर्व दौर्भाग्य शमनं सर्व दुःख निवारणम् ।

सर्वा ५ भिन्चार दोषधनं परमन्त्र विनाशनम् ॥ १२२ ॥

पर सैन्य स्तम्भ करं शत्रु स्तम्भन कारणम् ।

महा चमत्कार करं महा बुद्धि प्रवर्धनम् ॥ १२३ ॥

महोत्पात प्रशमनं महाज्वर निवारणम् ।

महा वश्य करं देवी महा सुख फल प्रदम् ॥ १२४ ॥

एवं एतस्य मन्त्रस्य प्रभावो वर्णितुं मया ।

न शक्यते वरारोहे कल्प कोटि शतैर् अपि ॥ १२५ ॥

यः पठेत् सङ्गमे नित्यं सर्वदा मन्त्र सिद्धिदम् ॥ १२६ ॥

॥ इति विष्णु यामले श्री बाला त्रिपुर सुन्दरी सहस्र नाम स्तोत्रं सम्पूर्णम् ॥